Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Tulsi Prajna 2008 07

Folder No.	024636
Granth Name	Tulsi Prajna 2008 07
Editor	Shanta Jain, Jagatram Bhattacharya
Publisher	Jain Vishwa Bharti - Ladnun
Edition	1
Year	2008
Pages	100

तुलसीप्रज्ञा २००८ ०७

फोल्डर नं.	०२४६३६
ग्रन्थ	तुलसीप्रज्ञा २००८ ०७
सम्पादक	शान्ता जैन, जगतराम भट्टाचार्य
प्रकाशक	जैन विश्व भारती – लाडनूँ
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२००८
पृष्ठ	१००

मुख्य टाईटल

Contents

English Section

Acaranga – Bhasyam – Acarya Mahaprajna ---------- 1
Anekantavada Polylogue For Confilict Resolution Arun Mookerjee ---------- 29
Facets of Non – violence – Dr. B R Dugar ---------- 36

हिन्दी खण्ड

अः एक अनुशीलन – आचार्य महाप्रज्ञ ---------- ४३
षट जीवनिकाय की अवधारणा एक विश्लेषण – प्रोफेसर सागरमल जैन ---------- ५५
जैन ग्रंथ भंडारों में संग्रहीत गणितीय पांडुलिपियाँ – अनुपम जैन एवं सुरेखा मिश्रा ---------- ६३
नायाधम्मकहाओ में भारतीय संस्कृति एक विमर्श – साध्वी मुदितयशा ---------- ७१
श्रावक का आचार – साध्वी प्रवीण लता ---------- ८३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org